CBSE Worksheet 01

Ch-1 वह चिड़िया जो

1. **वह चिड़िया जो** कविता में चिड़िया के पंख कैसे हैं?

2. 'वह चिड़िया जो' में चिड़िया रूचि से क्या खाती है?

3. 'वह चिड़िया जो' में कवि ने चिड़िया को क्या कहा है और क्यों?

4. **वह चिड़िया जो** कविता में चिड़िया अपना जीवन कैसे जीती है?

5. **वह चिड़िया जो** कविता में चिड़िया का जीवन कैसा है?

6. **वह चिड़िया जो** कविता में कवि ने चिड़िया को छोटी, संतोषी, मुँह बोली और गर्वीली चिड़िया क्यों कहा है?

7. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़े और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें: (1 x 5)**

   चिड़िया जो
   कंठ खोलकर
   बूढ़े वन-बाबा की खातिर
   रस उँडेलकर गा लेती है।
   वह छोटी मुँहबोली चिड़िया
   नीले पंखों वाली मैं हूँ।
   मुझे विजन से बहुत प्यार है।

   i. कवि एवं कविता का नाम लिखिए।
   ii. चिड़िया 'बूढ़े वन-बाबा' के नाम से किसे बुलाती है?
   iii. चिड़िया कैसे गाती है?
   iv. चिड़िया किसके लिए गाती है?
   v. 'कंठ' और 'विजन' शब्दों के अर्थ लिखिए।

Scanned with CamScanner

CBSE Worksheet 01

Ch-1 वह चिड़िया जो

Answer

1. चिड़िया के पंख नीले रंग के हैं।

2. 'वह चिड़िया जो' में चिड़िया दूध भरे जुंडी के दाने रुचि से खाती है।

3. 'वह चिड़िया जो' में कवि ने चिड़िया को संतोषी प्रवृत्ति का कहा है क्योंकि वह थोड़े-से दानों में ही संतोष कर लेती है।

4. चिड़िया अपना जीवन प्रेम, उमंग और संतोष से जीती है। वह सबसे प्रेम करती है। एकांत में भी उमंग से रहती है। थोड़े में ही संतोष करती है। वह गाते और उड़ते हुए अपना पूरा जीवन जीती है।

5. चिड़िया का जीवन संतोष से भरा है, जो कुछ खाने को मिलता है, उसे खाकर संतुष्ट रहती है। वह एकांत में भी उत्साहपूर्वक रहती है। चिड़िया मुक्त कंठ से गीत गाती है। जंगल, नदी सभी जगह इच्छापूर्वक विचरण करती है।

6. चिड़िया का आकार बहुत बड़ा नहीं है, वह अनाज के दाने चाव से खाकर संतोष कर लेती है। वह मधुर स्वर में गाती है। अतः सब उसे प्यार करते हैं। उसके नीले पंख अत्यन्त सुन्दर हैं वह छोटी होने के बावजूद उफनती नदी से अपनी चोंच में जल भर लाती है, वह साहसी है इसलिए कवि ने उसे छोटी, संतोषी, मुँह बोली और गर्वीली कहा है।

7. i. **कवि का नाम** - केदारनाथ अग्रवाल।
   कविता का नाम - 'वह चिड़िया जो'।
   ii. पुराने जंगल को चिड़िया 'बूढ़े वन-बाबा' के नाम से पुकारती है |
   iii. चिड़िया प्रसन्नता से युक्त और मधुर स्वर में कंठ खोलकर और रस उँडेलती हुई गाती है।
   iv. चिड़िया अपने बूढ़े वन-बाबा के लिए गाती है।
   v. **कंठ** - गला।
   विजन - एकांत, निर्जन स्थान ।

Scanned with CamScanner